जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 | वर्षः 20 | संख्याः 20 | प्रभात | जालोर, सोमवार 28 अप्रैल, 2025 | पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

''युद्ध की ज़रुरत नहीं'' वाले बयान से पलटे सिद्धारमैया

पाकिस्तानी मीडिया ने कर्नाटक मुख्यमंत्री के बयान को ''भारत में युद्ध के खिलाफ आवाज़'' का एंगल देकर विवाद खड़ा कर दिया था

बेंगलुरु, 27 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बयान से बवाल खड़ा हो गया है। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया ने सीएम सिद्धारमैया के बयान को एक अलग ही एंगल देकर पेश कर दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भाजपा के निशाने पर आ गए। अब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सफाई देते हुए कहा है कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि हमें युद्ध नहीं करना चाहिए, उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

- **सिद्धारमैया ने रविवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि पाकिस्तान से युद्ध नहीं करना चाहिये। उनका कहना था, ''मैंनें सिर्फ यह कहा था कि युद्ध समाधान नहीं है। पर्यटकों को सुरक्षा दी जानी चाहिये थी। इसकी जिम्मेदारी किसकी है।''**
- **कथित तौर पर सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई जरुरत नहीं है। कड़े सुरक्षा उपाय तुरंत किये जाने चाहिये। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं।**

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार को साफ किया, मैंने कभी नहीं कहा कि हमें पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं करना चाहिए, मैंने सिर्फ इतना कहा कि युद्ध समाधान नहीं है। पर्यटकों को सुरक्षा दी जानी चाहिए थी। इसकी जिम्मेदारी किसकी है? मैंने कहा है कि इसमें चूक हुई है। यह इंटेलिजेंस फेलियर है। भारत सरकार ने पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं की। जहां तक युद्ध का सवाल है, अगर यह जरूरी है, तो हमें युद्ध करना चाहिए।

इससे पहले, सिद्धारमैया ने शनिवार को कथित तौर पर यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने शनिवार को कहा, कड़े सुरक्षा उपाय तुरंत किए जाने चाहिए। हम युद्ध छेड़ने के पक्ष में नहीं हैं। शांति होनी चाहिए, लोगों को सुरक्षित महसूस होना चाहिए और केंद्र सरकार को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

सिद्धारमैया के इस बयान के बाद पाकिस्तान के प्रमुख समाचार चैनल जियो न्यूज सहित पाकिस्तानी मीडिया ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री की टिप्पणियों को एक अलग एंगल दे दिया और इसे ''भारत के भीतर से युद्ध के खिलाफ आवाज'' बताया। जियो न्यूज बुलेटिन की एक क्लिप साझा करते हुए, कर्नाटक भाजपा प्रमुख बीवाई विजयेंद्र ने एक्स पर पोस्ट किया, ''सीमा पार से वज़ार-ए-आला सिद्धारमैया के लिए बहुत-बहुत जयकार! पाकिस्तानी मीडिया सिद्धारमैया की बहुत प्रशंसा कर रहा है।

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का जिक्र करते हुए, विजयेंद्र ने कहा, ''नेहरू को रावलपिंडी की सड़कों पर खुली जीप में घुमाया गया था, क्योंकि पाकिस्तान, सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए नेहरू से बहुत खुश था, जो पाकिस्तान के पक्ष में थी। क्या सिद्धारमैया भारत के अगले राजनेता होंगे जिन्हें पाकिस्तान में खुली जीप में घुमाया जाएगा।

सिद्धारमैया के बयानों की कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा ने भी कड़े शब्दों में आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, जब हमें एकजुट होने की जरूरत है, सिद्धारमैया का बयान बेहद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं नहीं समझता कि परमाणु युद्ध होगा'

इस्लामाबाद, 27 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल व्याप्त है और भारत के रुख से पाकिस्तान दहशत में है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने स्पुतनिक से बात करते हुए कहा,''मैं नहीं समझता कि परमाणु युद्ध होगा। भारत और पाकिस्तान दोनों के पास परमाणु हथियार हैं।

गौरतलब है कि हर बार की तरह इस बार भी पाकिस्तान ने पहलगाम में आतंकियों द्वारा किए गए नरसंहार में अपनी भूमिका स्वीकार नहीं की है।

- **पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने सार्वजनिक रूप से कहा।**

आसिफ ने कहा कि दुनिया को दोनों देशों के बीच तनाव के बारे में चिंतित होना चाहिए जो पूर्ण पैमाने पर परमाणु युद्ध में बदल सकता है।

उन्होंने ने कहा, मुझे नहीं लगता कि परमाणु युद्ध होगा। भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि चीजें इतनी दूर तक जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना के रुख को भांपते हुए अब पाकिस्तानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र से कोई पाकिस्तानी नागरिक लापता नहीं-फड़णवीस

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा कि सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजने की व्यवस्था कर दी गई है

मुंबई, 27 अप्रैल। पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने की खबरों को खारिज किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि राज्य में रह रहे सभी पाकिस्तानियों का पता लगा लिया गया है। इतना ही नहीं, उनके प्रत्यर्पण की भी व्यवस्था कर दी गई है। उनका यह बयान राज्य के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम के चौंकाने वाले उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने शनिवार को कहा था कि राज्य में कुल 5,023 पाकिस्तानी हैं जिसमें 107 पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में कोई सूचना नहीं है।

गौरतलब है कि केंद्र ने पाकिस्तानी नागरिकों को रविवार तक देश छोड़ने का आदेश दिया था, यह समय सीमा आज समाप्त हो रही है। इसके अलावा मेडिकल वीजा वालों को 29 अप्रैल तक का समय दिया गया है।

- **फड़णवीस को इसलिए यह स्पष्टीकरण देना पड़ा, क्योंकि उनके गृह राज्य मंत्री ने शनिवार को बयान दिया था कि राज्य में 5023 पाकिस्तानी नागरिकों में से 107 के बारे में कोई सूचना नहीं है।**

बाद में पुणे नगर निगम के एक कार्यक्रम में योगेश कदम ने कहा कि राज्य के गृह मंत्री के तौर पर मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस मुद्दे पर कोई गलत खबर न चलाएं। महाराष्ट्र में कोई भी पाकिस्तानी नागरिक लापता नहीं है और सभी मिल गए हैं। उन सभी को वापस भेजने की व्यवस्था कर दी गई है और राज्य में कोई भी पाकिस्तानी नागरिक नहीं बचेगा। सभी को आज शाम या कल तक वापस भेज दिया जाएगा।

इस बीच, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुलढाणा में कहा कि पाकिस्तान और पाकिस्तानियों पर दया दिखाने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग पाकिस्तानियों को शरण दे रहे हैं, उन्हें भी नहीं बख्शा जाएगा। ज्ञातव्य है कि महाराष्ट्र पुलिस ने विभिन्न वीजा पर राज्य भर में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने के लिए अभियान शुरू किया है।

इससे पहले शनिवार को भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि राज्य में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों की सूची तैयार है और हम उन पर नजर रख रहे हैं। सभी पुलिस स्टेशनों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि पाकिस्तानी नागरिक अपने वीजा रद्द होने के बाद देश में न रहें।

राहुल गांधी अमेठी में हार्ट यूनिट का उद्घाटन करेंगे

अमेठी (यूपी), 27 अप्रैल। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी 30 अप्रैल को अमेठी के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं, इस दौरान वे संजय गांधी अस्पताल में हार्ट यूनिट का उद्घाटन करेंगे और गन फैक्ट्री का निरीक्षण करेंगे।

अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा ने रविवार को बताया कि राहुल गांधी 29 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे पर रहेंगे, जहां वे जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में हिस्सा लेंगे।

- **लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी की यह पहली अमेठी यात्रा है।**

उन्होंने बताया कि राहुल रायबरेली के एक गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे और 30 अप्रैल को सड़क मार्ग से मुंशीगंज स्थित आयुध फैक्टरी जाएंगे। इसके बाद वे मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल में हार्ट यूनिट का उद्घाटन करेंगे और इंदिरा गांधी नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण करने के बाद दिल्ली लौट जाएंगे।

गौरतलब है कि मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल का संचालन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बाघिन रानी ने रविवार को पांच शावकों को जन्म दिया। फिलहाल पांचों शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं। बाघिन और शावकों पर वन विभाग का स्टाफ सी.सी.टी.वी. की मदद से निगरानी रख रहा है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया- पांच में से चार शावक गोल्डन कलर के हैं। एक शावक का कलर वाइट है। राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी बाघिन ने एक साथ पांच बच्चों को जन्म दिया है। इससे पहले बाघिन रानी ने चार शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से दो शावकों की मृत्यु हो गई थी। वर्तमान में रानी के पहले प्रजनन से जन्मे सफेद शावक भीम और गोल्डन मादा शावक स्कंदी पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बने हुए हैं।

भारतीय नौसेना ने कई एंटी-शिप मिसाइल दाग कर दम-खम दिखाया

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच नौ सेना ने दर्शाया कि देश के समुद्री हित सुरक्षित हैं

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इसी बीच हाल ही में भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने कई सफल एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग की हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसके बारे में जानकारी देते हुए भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने कहा, ''जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की तत्परता को पुनः प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। भारतीय नौसेना किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार है।''

- **भारतीय नौ सेना ने एक्स पर लिखा, ''भारतीय नौ सेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।''**

इससे पहले, भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सूरत ने अरब सागर में मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआर-एसएएम) वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया था।

यह परीक्षण अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना द्वारा निर्धारित सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल के परीक्षण से पहले हुआ है। एमआर-एसएएम सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों और अन्य हवाई लक्ष्यों के खिलाफ अत्यधिक प्रभावी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनआईए ने पहलगाम आतंकवादी हमले की गहन जाँच शुरु की

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकवादी हमले का मामला औपचारिक रूप से अपने हाथ में ले लिया है और टीम घटनास्थल पर साक्ष्य एकत्र कर जांच में जुट गई है।

इस हमले में पिछले मंगलवार को 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्दयतापूर्वक गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

एनआईए के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि बुधवार से आतंकी हमले वाली जगह पर डेरा डाले हुए एनआईए की टीमों ने सबूतों की तलाश तेज कर दी है। आतंकवाद विरोधी एजेंसी के एक पुलिस महानिरीक्षक, एक पुलिस उपमहानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक की देखरेख में टीमें उन चश्मदीदों से पूछताछ कर रही हैं, जिन्होंने शांतिपूर्ण और सुरम्य बैसरन घाटी में अपनी आंखों के सामने भयानक हमले

- **महानिरीक्षक, एक उपमहानिरीक्षक तथा एक पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एनआईए की टीमें चश्मदीद गवाहों से बारीकी से पूछताछ कर रही हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हज कमेटी ने हज सुविधा ऐप इस्तेमाल करने की अपील की

नयी दिल्ली, 27 अप्रैल। हज कमिटी ऑफ इंडिया ने हज 2025 के सभी यात्रियों से कहा है कि वे सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय के तहत बनाए गए नए ''हज सुविधा ऐप 2.0'' को तुरंत डाउनलोड करें और इसे अच्छे से इस्तेमाल करना सीखें। इस ऐप में हज यात्रा के दौरान कई जरूरी सुविधाएँ दी गई हैं, जिनका फायदा उठाया जा सकता है। कमिटी के अनुसार,''हज सुविधा ऐप'' यात्रियों को सफर के दौरान और हज के कामों में मदद करेगा। इसके जरिए यात्रियों को फ्लाइट की जानकारी, वीजा स्टेटस, शिकायत करने की सुविधा, जरूरी सूचना, अस्पताल और दवाइयों तक पहुँच, जीपीएस के जरिए रास्ता ढूँढ ने, नमाज़ के टाइम और किबला दिशा जानने, हज-उमरा के तरीकों की जानकारी और सामान का पता लगाने जैसी सहूलियतें मिलेंगी। साथ ही, इसमें एक चैटबॉट भी है जो सवालों के तुरंत जवाब देगा।

- **हज कमेटी ने कहा कि इस ऐप से हज यात्रियों को सफर के दौरान व हज के कामों में बहुत मदद मिलेगी।**

नए वर्जन की खासियत यह है कि इसमें 'पैडोमीटर' (कदम गिनने वाला फीचर) भी जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों को अपनी सेहत का ध्यान रखने में मदद मिलेगी। हज के दौरान काफी पैदल चलना होता है, इसलिए यह सुविधा बहुत फायदेमंद रहेगी। हज कमिटी ने यह भी कहा है कि हर राज्य से उन 10 यात्रियों को इनाम दिया जाएगा जो 'हज सुविधा ऐप' का सबसे अच्छा इस्तेमाल करेंगे।

तय डैडलाइन में भारत नहीं छोड़ने वाले, पाकिस्तानियों पर कड़ी कार्यवाही होगी

ऐसे पाकिस्तानियों को 3 साल की जेल तथा 3 लाख रूपये का जुर्माना लग सकता है

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए रविवार शाम नोटिस जारी किया है।

इसमें कहा गया है कि जो पाकिस्तानी तय समयसीमा में भारत नहीं छोड़ता है उसे गिरफ्तार कर केस चलाया जाएगा। ऐसे नागरिकों को 3 साल जेल या 3 लाख जुर्माना या फिर दोनों का सामना करना पड़ सकता है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की गई है, जिसमें भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों (अलग-अलग वीज़ा रखने वालों) को देश छोड़ने का निर्देश दिया गया था। नोटिस में कहा गया है कि इस नियम को न मानने वाले पाकिस्तानियों पर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

- **मैडिकल वीज़ा वाले पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने के लिये दो दिन और दिये गये।**
- **पाकिस्तानी हाई कमीशन में डिफेन्स, नेवी व एयरफोर्स के डिप्लोमैट्स को ''अब वांटेड पर्सन'' घोषित किया गया है। उन्हें 30 अप्रेल तक भारत छोड़ना होगा।**

सार्क वीजा रखने वालों के लिए भारत छोड़ने की समय-सीमा 26 अप्रैल थी। मेडिकल वीजा रखने वालों के लिए यह समय-सीमा 29 अप्रैल है।

भारत सरकार पाकिस्तानी नागरिकों को इलाज के लिए मेडिकल वीजा जारी करती है।

एक मरीज के साथ मैक्सिमम 2 अटेंडेंट्स या परिजनों की एंट्री होती है। मानवीय आधार पर इन नागरिकों को अन्य वीजा होल्डर्स की तुलना में 2 दिन ज्यादा दिए, ताकि वे अपना इलाज पूरा कर सकें और सुरक्षित वापस जा सकें।

मेडिकल वीजा धारकों को अपने इलाज के दस्तावेज तैयार रखने को कहा गया है, ताकि जांच के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।

इसके अलावा नई दिल्ली में पाकिस्तानी हाई कमीशन के डिफेंस, नेवी और एयरफोर्स के डिप्लोमैट्स को 'अन वॉन्टेड पर्सन' घोषित किया गया। इन्हें 30 अप्रैल तक भारत छोड़ना होगा।

शॉर्ट-टर्म वीजा होल्डर्स के लिए समयसीमा खत्म होने के बाद पिछले तीन दिनों में कुल 537 पाकिस्तानी नागरिक अटारी बॉर्डर वापस गए हैं। अटारी बॉर्डर पर प्रोटोकॉल अधिकारी अरुण पाल ने बताया कि पिछले तीन दिनों में 850 भारतीय नागरिक लौट आए हैं। अकेले रविवार को 237 पाकिस्तानी अपने देश लौट गए, जबकि 116 भारतीय नागरिक वापस आए।